इकाई - IV

10 अमर वाणी

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो झटकाय।

टूटे से फिर ना जुरै, जुरै गाँठ परि जाय।

© SCERT not to be republished

प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. दिए गये रहीम के दोहे का भाव बताइए।
3. जीवन में दोस्ती का क्या महत्व है?

उद्देश्य

नैतिक भावनाओं से जीवन मूल्यों का विकास करना-

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
2. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
3. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

कवि	: कबीर दास
जीवन काल	: 1398-1528
रचनाएँ	: बीजक
विशेषताएँ	: ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि

दुःख में सुमिरन सब करे, सुख में करे न कोय।
जो सुख में सुमिरन करे, दुःख काहे को होय।।

धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
माली सींचै सौ घड़ा, ऋतु आये फल होय।।

साईं इतना दीजिए, जामे कुटुम समाय।
मैं भी भूखा ना रहूँ, साधु न भूखा जाय।

कवि	: वृंद (वृंदावन दास)
जीवन काल	: 1643-1723
रचनाएँ	: वृंद सतसई
विशेषताएँ	: नीतिपरक दोहों के लिए प्रसिद्ध

उत्तम जन के संग में, सहजे ही सुखभासि।
जैसे नृप लावै इतर, लेत सभा जनवासि।।

करै बुराई सुख चहै, कैसे पावै कोई।
रोपै बिरवा आक की, आम कहाँ तें होइ।।

करत-करत अभ्यास ते, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात तें, सिल पर परत निसान।

© SCERT not to be republished

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर सोचकर दीजिए।

1.कुछ प्रमुख हिंदी कवियों के नाम बताइए?

2. कबीर के बारे में बताइए?

3. अभ्यास का क्या महत्व है?

(आ) पाठ पढ़कर उत्तर दीजिए।

- **भाव से संबंधित दोहा लिखिए।**

1. सुख में ईश्वर का ध्यान रखनेवाले को दुख नहीं होता।

2. सज्जन के साथ रहने से सुख मिलता है।

(इ) दोहा पढ़िए। भाव अपने शब्दों में बताइए।

1. धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
माली सींचै सौ घड़ा, ऋतु आये फल होय।।

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) प्रश्नोत्तर

1. कबीर की दृष्टि में- ''किसी काम को धीरे-धीरे करना'' इसका क्या तात्पर्य है?

2. हमें कैसे प्रयत्नों से सफ़लता मिल सकती है?

(आ) तुलना कीजिए।

कबीर व वृन्द के दोहों में क्या अंतर स्पष्ट होता है?

- **प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. कबीर ने ईश्वर से क्या माँगा है?

2. भगवान का स्मरण कब करना चाहिए? क्यों?

3. वृन्द अभ्यास के बारे में क्या कहते हैं?

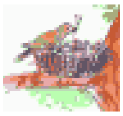

परियोजना कार्य

1. कुछ दोहे संकलित कीजिए।

© SCERT not to be republished

11 सुनीता विलियम्स

© SCERT not to be republished

प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. अंतरिक्ष किसे कहते हैं? वहाँ कैसे पहुँच सकते हैं?
3. आंध्र प्रदेश में अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण कहाँ से किया जाता है?

उद्देश्य

श्रद्धा और लगन से मेहनत करनी चाहिए। ऐसे ही लगन और परिश्रम से सुनीता ने अंतरिक्ष के रहस्यों का पता लगाया है और हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। जिससे हर बालिका को शिक्षित होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
2. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
3. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

सुनीता 'अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र' पर क़दम रखने वाली पहली भारतीय महिला है। सुनीता ने किसी भी महिला द्वारा अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा लंबा समय बिताने (195 दिन) व अंतरिक्ष में चलने का रिकॉर्ड भी बनाया है। इसके साथ-साथ अंतरिक्ष प्रयोगशाला में ऐसे कई परीक्षण भी किए, जो भावी अंतरिक्ष यात्रियों के लिए लाभदायक सिद्ध होंगे। सुनीता ने इस साहसी अभियान में रुचि दिखा कर यह प्रमाणित कर दिया कि महिलाएँ भी पुरुषों से किसी भी तरह कम नहीं, वे बड़े से बड़े लक्ष्य को साकार करने का साहस रखती हैं। आइए, सुनीता विलियम्स से ही पूछते हैं कि उन्होंने ये कारनामे कैसे कर दिखाए-

प्रश्न- दुनिया में लाखों पायलट और वैज्ञानिक हैं। किंतु अमेरिका में बड़ी मुश्किल से 100 अंतरिक्ष यात्री हैं। वह कौन-सी चीज़ थी जिसने आपको अंतरिक्ष की दुनिया में क़दम रखने के लिए प्रेरित की?

उत्तर- बढ़िया प्रश्न है। जब मैं पाँच वर्ष की थी तो मैंने नील आर्मस्ट्रांग को चंद्रमा पर पहला क़दम रखते और चलते हुए देखा था। मैं इस दृश्य से बहुत प्रेरित हुई और मैंने उसी दिन यह बात ठान ली कि मुझे अंतरिक्ष यात्री बनना है। किंतु यह इतना आसान काम नहीं था। मेरिलैंड स्थित टेस्ट पायलेट स्कूल जाने तक अंतरिक्ष यात्री बनने का मेरा यह सपना, सपना ही रहा। मैंने जहाज़ और हेलिकॉप्टर के पायलट के रूप में अपना पेशा आरंभ किया। इसी दौरान मैं एक दिन जॉनसन अंतरिक्ष केंद्र पहुँची। यहीं पर मेरी मुलाकात जॉन यंग से हुई। उन्होंने हेलिकॉप्टर और अंतरिक्ष यान की तुलना की। यह तुलना काफ़ी प्रेरणात्मक थी। मैंने शोध कर यह पता लगाया कि अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए क्या करना चाहिए। मैंने इस क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त की और अंतरिक्ष की उड़ान के लिए मुझे बुलावा भी मिला। मैं अपने आपको बड़ी सौभाग्यशाली मानती हूँ कि मुझे यह सुनहरा अवसर मिला।

© SCERT not to be republished

प्रश्न- आज आप एक सफल अंतरिक्ष यात्री हैं। जब आप अपने आपको देखती हैं तो आपके जीवन में मसाचुसेट्स शहर का क्या महत्व है यहाँ के लोगों ने क़िस तरह आपकी सहायता की?

उत्तर- हा! तो जैसा कि मैंने आपको बताया कि मेरा पालन-पोषण बॉस्टन के समीप हुआ। मैं जहाँ तैरने जाती थी वह प्रांत हार्वर्ड में पड़ता था। यह प्रांत कैंब्रिज क्षेत्र में है। इसलिए मैंने अपना बहुत सारा समय यहीं बिताया। मेरे पिता डॉक्टर हैं। वे हार्वर्ड मेडिकल स्कूल तथा बॉस्टन विश्वविद्यालय में पढ़ाते थे। यह क्षेत्र शिक्षा का गढ़ माना जाता है। यहाँ बहुत सारे शिक्षा केंद्र होने के कारण मेरी रुचि को असली पहचान मिली। यही कारण है कि आज जो मैं आपके सामने दिखायी दे रही हूँ, उसमें यहाँ के लोगों की प्रेरणा भी शामिल है।

प्रश्न- अपनी पढ़ाई के बारे में बताइए।

उत्तर- मैं पढ़ाई में श्रेष्ठ नहीं थी। औसत थी। स्नातक की पढ़ाई के बाद भाई को नेवी में भर्ती होते हुए देखा। मुझे भी प्रेरणा मिली। मुझे अपने लंबे-लंबे बालों की बड़ी चिंता थी। आज भी मेरे बाल वैसे ही हैं। मैं अपने बालों को कटाकर नेवी में भर्ती होना नहीं चाहती थी। मेरा नेवी में चयन हो गया। मेरी दृष्टि सटीक होने के कारण मुझे पायलट की नौकरी मिल गयी। मैं जेट पायलट बनना चाहती थी, किंतु मेरी यह इच्छा पूरी नहीं हुई। मुझे हेलिकॉप्टर पायलट से ही संतोष करना पड़ा। यहाँ पर मैंने बहुत कुछ सीखा। कई बार विफल भी हुई। इससे मैं निराश नहीं हुई बल्कि मुझे और प्रेरणा मिली। उसी दिन मुझे लगा कि हर जीत के पीछे हार की प्रेरणा होती है।

प्रश्न- आप हेलिकॉप्टर पायलट से अंतरिक्ष यात्री कैसै बनीं?

उत्तर- जब मुझे किसी कारणवश टेस्ट स्कूल जाना पड़ा तो वहाँ मेरी मुलाकात जॉन यंग

© SCERT not to be republished

से हुई। उन्होंने ही मुझे प्रेरित किया। एक सामान्य हेलिकाप्टर पायलट से अंतरिक्ष यात्री बनने के सफ़र में उनका योगदान हमेशा याद रखने लायक़ है।

प्रश्न- अंतरिक्ष यात्री की उड़ान खतरों से भरी होती है। इतने खतरों में भी आपको उड़ान भरने की प्रेरणा कैसे मिलती है?

उत्तर- जैसे कि मैंने आपको पहले ही बताया है कि अंतरिक्ष यात्री बनना आसान काम नहीं है। स्वाभाविक है कि यह क्षेत्र खतरों से भरा पड़ा है। किंतु जब कभी कोई अंतरिक्ष यात्री उड़ान के लिए तैयार होता है, तो सारी दुनिया उसी की ओर देखती है। मेरे पिता भारत से हैं। मैं भारत संतति की अंतरिक्ष यात्री हूँ। हर भारतीय अपनी प्रार्थनाओं में मेरी सफ़लता की कामना कर रहा है। यही वे प्रार्थनाएँ हैं, जो व्यक्ति के साहस को दुगना कर देती हैं।

प्रश्न- भावी नागरिकों के लिए आप का संदेश?

भारत प्रतिभावानों का देश है। यहाँ के गाँव-गाँव में भी प्रतिभाशाली बच्चे हैं। यहाँ की लड़कियाँ भी विशेष प्रतिभा रखती हैं। सब सुशिक्षित होकर आगे बढें देश का नाम हमेशा ऊँचा रखें।

© SCERT not to be republished

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर सोचकर बताइए।

1. अंतरिक्ष के बारे में बताइए।
2. अंतरिक्षयान के बारे में बताइए।
3. कुछ अंतरिक्ष यात्रियों के नाम बताइए?

(आ) नीचे दी गयी पंक्तियाँ पूरी कीजिए।

1. जब मैं पाँच वर्ष की थी..............................चलते हुए देखा।
2. हर भारतीय अपनी .... कर रहा है।
3. उसी दिन लगा कि हर जीत....................................... प्रेरणा होती है।

(इ) अनुच्छेद पढ़िए। अनुच्छेद से संबंधित तीन प्रश्न बनाइए।

प्राचीन समय में मनुष्य गुफाओं, जंगलों व पहाड़ों में रहा करता था। तब वह अपने आप में अकेला था। धीरे-धीरे उसे आभास हुआ कि समुदाय या समाज में रहने वाला सुखी जीवन व्यतीत करता है। यहीं से उसने समाज की रचना की और सामाजिक प्राणी कहलाने लगा। यह सब एक-दूसरे के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान से ही संभव हो सका है। सूचना को समाज के विकास का मूल स्रोत कहा जा सकता है।

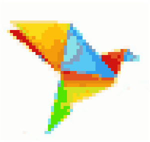

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष यात्री बनने की प्रेरणा कैसे मिली?
2. सुनीता विलियम्स की पढ़ाई कैसे हुई?
3. सुनीता विलियम्स भावी नागरिकों को क्या संदेश देती है?

(आ) 'सुनीता विलियम्स' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) यदि आप सुनीता विलियम्स का साक्षात्कार लेते तो क्या प्रश्न पूछते? लिखिए।

(ई) सुनीता विलियम्स की सफलताओं के लिए एक बधाई संदेश तैयार कीजिए।

© SCERT not to be republished

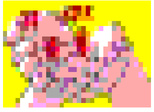

भाषा की बात

(अ) वाक्य पढ़िए। क्रियाओं पर ध्यान दीजिए।

1. सुनीता विलियम्स देश का नाम ऊँचा करती हैं।
2. सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।
3. वे अंतरिक्ष यात्री होने का गौरव प्राप्त कर चुकी हैं।
4. वैज्ञानिक अंतरिक्ष की खोज और भी करते होंगे।
5. वैज्ञानिक अंतरिक्ष की जानकारी प्राप्त करेंगे।
6. वैज्ञानिक अपनी खोज करते रहेंगे।
7. निकट भविष्य में संसार और भी विकास कर चुकेगा।
8. हम भी कुछ कर दिखायें।
9. मैंने इसी क्षेत्र को पेशा बनाने की ठान ली।
10. मेरा पालन-पोषण बॉस्टन के समीप में हुआ है।
11. मैंने अंतरिक्ष यात्रा करनी चाही थी।
12. वैज्ञानिकों ने बहुत से आविष्कार किये होंगे।
13. इसे मैं एक छोटा शहर मानती थी।
14. हम सुनिता विलियम्स से मिलते तो बहुत खुश होते।

© SCERT not to be republished

ऊपर के वाक्यों में क्रियाओं के द्वारा विविध समयों का बोध होता है। जिनसे समय के समाप्त होने का बोध हो, वे वाक्य **भूत काल** के हैं। जिन वाक्यों से काम अभी चल रहा है, कहकर बोध हो तो वे **वर्तमान काल** के वाक्य हैं। जिन वाक्यों से आने वाले समय में होने वाली क्रिया का बोध हो, वे वाक्य **भविष्य काल** के हैं। इस तरह काल तीन प्रकार के हैं- भूत काल, वर्तमान काल और भविष्य काल।

भूतकाल के प्रकारः

भूतकाल	उदाहरण
1. सामान्य भूत	लड़के ने पुस्तक पढ़ी।
2. आसन्न भूत	लड़के ने पुस्तक पढ़ी है।
3. पूर्ण भूत	लड़के ने पुस्तक पढ़ी थी।
4. संदिग्ध भूत	लड़के ने पुस्तक पढ़ी होगी।
5. अपूर्ण भूत	लड़का पुस्तक पढ़ रहा था।
6. हेतु-हेतुमद् भूत	लड़के को पुस्तक मिलती तो पढ़ता।

वर्तमानकाल के प्रकारः

वर्तमानकाल	उदाहरण
1. सामान्य वर्तमान	लड़का पुस्तक पढ़ता है।
2. अपूर्ण वर्तमान	लड़का पुस्तक पढ़ रहा है।
3. पूर्ण वर्तमान	लड़का पुस्तक पढ़ चुका है।
4. संदिग्ध वर्तमान	लड़का पुस्तक पढ़ रहा होगा।

भविष्यकाल के प्रकारः

भविष्यकाल	उदाहरण
1. सामान्य भविष्य	लड़का पुस्तक पढ़ेगा।
2. सातत्य बोधक भविष्य	लड़का पुस्तक पढ़ता रहेगा।
3. पूर्ण भविष्य	लड़का पुस्तक पढ़ चुकेगा।
4. संभाव्य भविष्य	आप पुस्तक पढ़ें।

© NCERT not to be republished

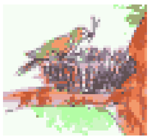

परियोजना कार्य

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा अंतरिक्ष में भेजे गये उपग्रहों की जानकारी इकट्ठा कीजिए। किसी एक उपग्रह के बारे में लिखिए।

बालिका शिक्षा समाज समृद्धि का प्रमुख आधार है। -कस्तूरबा गाँधी

12 जागो ग्राहक जागो

© SCERT not to be republished

प्रश्न

1. ऊपर दिया गया विज्ञापन किस के बारे में है?
2. ग्राहकों को जागरूक करने के लिए विज्ञापन क्यों दिया जाता है?
3. आपको कौन सा विज्ञापन पसंद है? क्यों?

उद्देश्य

सामाजिक, औद्योगिक व वाणिज्य विषयों के प्रति जागरूक बनाना। क्रय-विक्रय में सावधानियों की जानकारी देना।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
2. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
3. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

साहिती : दादाजी! दादाजी! आज अख़बार के साथ यह पीला कागज़ क्यों आया है?

दादाजी : यह तो उपभोक्ताओं के लिए संदेश है। आज 15 मार्च है, उपभोक्ता दिवस है। जिला प्रशासन ने ये परचे छपवाकर बाँटे हैं। इनसे उपभोक्ताओं को सचेत किया गया है कि वे सामान खरीदते समय सावधानी रखें।

साहिती : दादाजी, ये उपभोक्ता कौन हैं?

दादाजी : अरे वाह! तुमने बहुत अच्छा प्रश्न किया है। बैठो, मैं समझाता हूँ। किसी वस्तु या सेवाओं का उपभोग करने वाला उपभोक्ता कहलाता है, जैसे- विद्‍युत विभाग से बिजली, जल विभाग से जल व दूरसंचार से टेलीफोन की सुविधाएँ प्राप्त करते हैं। इन सुविधाओं के लिए हम बिल की राशि जमा कराते हैं। इसलिए हम इन विभागों के उपभोक्ता कहलाते हैं। बाज़ार से सामान लाते हैं, उसका उपभोग करते हैं तो हम उस सामान के उपभोक्ता हुए।

साहिती : अच्छा-अच्छा, अब समझे। तो फिर जिला प्रशासन हमें सावधान क्यों कर रहा है?

दादाजी : क्योंकि सामान बेचने वाले कई बार घटिया सामान दे देते हैं।

गौतम : तभी माँ कहती हैं, सामान देखकर लाया करो, जो मंगवाएँ, वही लाया करो। कई बार नक़ली सामान भी आ जाता है।

दादाजी : हाँ बेटा, कुछ लोग अधिक धन कमाने की लालच में सामान में मिलावट करते हैं। नक़ली सामान बनाकर बेचते हैं। कुछ दुकानदार वस्तु पर छपी क़ीमत से ज़्यादा मूल्य ले लेते हैं। कम तोलते हैं। ये अच्छी बातें नहीं हैं। इससे उपभोक्ताओं को हानि होती है।

गौतम : ऐसा करने वालों के साथ क्या करना चाहिए?

दादाजी : ज़िला प्रशासन ने जो यह परचे बाँटे हैं, उनमें लिखा है कि यदि किसी व्यापारी ने कम तोला है, सामान की क़ीमत अधिक ले ली है या नक़ली सामान दिया है तो हमें 'उपभोक्ता मंच' में शिकायत करनी चाहिए।

साहिती : दादाजी, शिकायत करने से क्या होता है?

© SCERT not to be republished

दादाजी : होता क्यों नहीं है? सरकार विक्रेता से उपभोक्ता को हुई हानि पूरी करवाती है। इसमें सामान बदला भी जा सकता है तथा राशिमय ब्याज़ लौटायी जा सकती है।

गौतम : शिकायत दर्ज कराने के लिए क्या करना होता है?

दादाजी : करना क्या है? पहले संबंधित विभाग, जैसे- ग्राम पंचायत, नगरपालिका, माप-तोल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, थाना या पुलिस चौकी में शिकायत करनी चाहिए। उसके बाद उपभोक्ता स्वयं या कोई अन्य व्यक्ति उपस्थित होकर शिकायत लिखवायें या डाक से शिकायत-पत्र भेज दें। हाँ, एक बात का ध्यान रखें, उस शिकायत के साथ उस वस्तु का बिल अथवा प्रमाण लगाना ज़रूरी है।

साहिती : क्यों दादाजी, बिना प्रमाण के शिकायत दर्ज नहीं होगी?

दादाजी : हाँ बेटी, तुमने सही कहा। जागरूक उपभोक्ता वह है जो सामान खरीदते या सेवा प्राप्त करते समय रसीद या बिल लें। वस्तुओं के पैकेट पर लिखे विवरण ध्यान से पढ़ें। हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि आई. एस. आई. या एग मार्क अंकित वस्तुओं का चुनाव करें। ये मार्क सरकार द्वारा प्रामाणित होते हैं। ये चिह्न सरकार द्वारा जाँची परखी वस्तुओं पर ही लगाते हैं।

साहिती : आपने बहुत अच्छी जानकारी दी दादाजी।

दादाजी : तुम यह भी जान लो कि सुरक्षा, सूचना, वस्तु का चुनाव, सुविधा न मिलने पर सुनवाई, क्षति-पूर्ति तथा अधिकारों के लिए जागरूक शिक्षित होना हर उपभोक्ता का कर्त्तव्य एवं अधिकार है।

गौतम : हाँ दादाजी, इस पीले कागज़ पर भी तो उपभोक्ता के अधिकार छपे हैं।

दादाजी : देखो, पढ़ो, क्या लिखा है? अच्छी वस्तु उचित दाम, उपभोक्ता संरक्षण का पैग़ाम।

© SCERT not to be republished

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर सोचकर लिखिए।

1. क्रय-विक्रय में उपभोक्ता का क्या महत्व है?
2. उपभोक्ताओं को जागरूक करने में आप क्या योगदान दे सकते हैं?
3. सरकार ग्राहकों की भलाई के लिए क्या करती है?

(आ) इन प्रश्नों के लिए दादाजी ने क्या उत्तर दिये हैं, उन्हें ढूँढ़कर लिखिए।

1. क्यों दादाजी, बिना प्रमाण के शिकायत दर्ज नहीं होगी?
2. दादाजी, उपभोक्ता कौन होते हैं?
3. अख़बार के साथ यह पीला कागज़ कैसा आया है?
4. तो फिर ज़िला प्रशासन हमें सावधान क्यों कर रहा है?

(इ) पाठ में बच्चों द्वारा पूछे गये प्रश्न लिखिए।

जैसे- साहिती : दादाजी, शिकायत करने से क्या होता है?

(ई) अनुच्छेद पढ़िए। इसके आधार पर तीन प्रश्न बनाइए।

भूकंप के विषय में शिक्षित करने की अधिक आवश्यकता है ताकि लोग जान सकें कि आपात स्थिति में क्या करना चाहिए। भूकंप के समय शीशे की खिड़कियों, दरवाज़ों, अलमारियों तथा आइनों से दूर रहना चाहिए तथा गिरने वाली चीज़ों से बचने के लिए आपको मेज़ के नीचे अथवा मज़बूत चारपाई के नीचे चले जाना चाहिए। खुली जगह में जाने की कोशिश में आप दरवाज़ों अथवा सीढ़ियों की ओर दौड़ेंगे तो पाएंगे कि वे या तो टूट चुके हैं अथवा टूटकर गिरी हुई चीज़ों से अवरुद्ध हो चुके हैं। आपके सभी विद्युत-उपकरण तथा खाना बनाने की गैस के सिलेंडर बंद होना बिलकुल अनिवार्य है। उदाहरण के लिए जापान और कैलिफोर्निया में भूकंप-ड्रिल, रोजमर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा होती है। बच्चे अपनी चारपाई के समीप टॉर्च और मज़बूत जूते रखने की आदत डाल लेते हैं ताकि रात के समय भूकंप आने पर वे सुरक्षित जगह पर पहुँच सकें।

© SCERT not to be republished

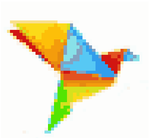

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. किसी एक वस्तु की प्रामाणिकता के बारे में लिखिए?
2. वस्तु की गुणवत्ता में सरकारी प्रामाणिक चिह्न का क्या महत्व होता है?
3. बच्चों के पूछे गये प्रश्नों में आपको सबसे अच्छा प्रश्न कौनसा लगा और क्यों?

(आ) इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. उपभोक्ता दिवस के बारे में आप क्या जानते हैं? बताइए।
2. दादाजी बच्चों को उपभोक्ताओं के बारे में क्यों समझा रहे थे?
3. एक उपभोक्ता के रूप में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

(इ) 'जागो ग्राहक जागो' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ई) ग्राहकों को जागरूक करने के कुछ नारे बनाइए।

(उ) जल संरक्षण के बारे में एक विज्ञापन बनाइए।

भाषा की बात

© SCERT not to be republished

(अ) नीचे दी गयी संख्याएँ पढ़िए। दैनिक जीवन में इन संख्याओं का इस्तेमाल कैसे करते हैं?

51-इकावन	52-बावन	53-तिरपन	54-चौपन	55-पचपन	56-छप्पन	57-सत्तावन	58-अट्ठावन	59-उनसठ	60-साठ
61-इकसठ	62-बासठ	63-तिरसठ	64-चौंसठ	65-पैंसठ	66-छासठ	67-सड़सठ	68-अड़सठ	69-उनहत्तर	70-सत्तर
71-इकहत्तर	72-बहत्तर	73-तिहत्तर	74-चौहत्तर	75-पचहत्तर	76-छिहत्तर	77-सतहत्तर	78-अठत्तर	79-उनासी	80-अस्सी
81-इकासी	82-बयासी	83-तिरासी	84-चौरासी	85-पचासी	86-छियासी	87-सत्तासी	88-अठासी	89-नवासी	90-नब्बे
91-इकानवे	92-बानवे	93-तिरानवे	94-चौरानवे	95-पंचानवे	96-छियानवे	97-सत्तानवे	98-अट्ठानवे	99-निन्यानवे	100-सौ

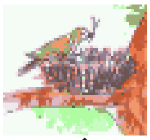

परियोजना कार्य

जल संरक्षण के उपाय के विषय में दिये जाने वाले विज्ञापनों का संग्रह कीजिए।

वही कार्य करना ठीक है, जिसे करके पछताना न पड़े। - महात्मा गौतम बुद्ध

अपना स्थान स्वयं बनायें

एक बादशाह था। उसने एक दिन अपने मंत्री से कहा, ''मुझे अपने लिए एक आदमी की ज़रूरत है। आपकी दृष्टि में कोई हो तो ले आएँ, पर इतना ध्यान रखें कि आदमी अच्छा हो।''

बहुत दिनों की जाँच-पड़ताल के बाद मंत्री को एक आदमी सही लगा। उसने उसकी नौकरी छुड़ा दी और उन्नति का आश्वासन देकर बादशाह के सामने पेश किया। बहुत देर तक तो बादशाह को अपनी बात ही याद न आई, बाद में बोले, ''हाँ, उस समय शायद कोई बात मन में थी, पर अब तो कोई बात नहीं है।''

मंत्री ने कहा, ''हुज़ूर मैंने इसे हज़ारों में से छाँटा है और बढ़िया नौकरी छुड़ाकर इसे लाया हूँ।'' बादशाह ने ज़रा सोचकर कहा, ''हमारे पास तो इस समय कोई काम नहीं है पर तुम बहुत कह रहे हो तो हम अपने निजी कार्यालय में चपरासी रख सकते हैं। वेतन पंद्रह रूपये मिलेगा।''

मंत्री को बुरा लगा, पर उस युवक ने कहा, '' मेरे लिए सबसे बड़ा वेतन यह है कि मुझे आपने बादशाह की सेवा करने का मौक़ा दिलाया'' और वह तैयार हो गया। मंत्री जब उसे कार्यालय में छोड़ने गया तो वहाँ धूल-ही-धूल थी क्योंकि बादशाह वहाँ न कभी जाते थे और न काम करते थे। मंत्री दुखी हुआ, पर युवक खुश था। उसने अच्छा स्थान दिलाने के लिए मंत्री के प्रति कृतज्ञता भी प्रकट की। उसने लगातार कई दिनों तक उस कार्यालय को साफ़ किया और उसे शाही कार्यालय का रूप दिया।

उस कार्यालय में एक छोटी-सी कोठरी थी। युवक ने उसकी जाँच-पड़ताल की, तो पता चला कि पिछले सालों में बादशाह के पास बहुत-से-लिफ़ाफ़ों पर सोने की पच्चीकारी और रत्न जड़े थे। ये वे लिफ़ाफ़े थे जो विवाह आदि के शुभ अवसरों पर दूसरे बादशाहों और अमीर-उमरावों के यहाँ से आए थे। युवक ने कारीगर लगाकर सब कीमती सामान लिफ़ाफ़ों से उतरवा लिया और बाज़ार में बेच दिया। इससे कई हज़ारों रुपये मिले। उनमें से कुछ रुपये तो उसने बढ़िया फ़र्नीचर और चित्रादि लगाने में खर्च किए और बाक़ी पैसा सरकारी ख़जाने में जमा कर दिया। जहाँ वह सामान बिका, उसकी भी रसीद ली और जहाँ से सामान ख़रीदा गया, उसकी भी।

अब वह स्थान सचमुच शाही हो गया। कुछ दरबारियों ने बादशाह से उसकी शिकायत की कि वह रुपया लुटा रहा है। एक दिन बादशाह गुस्से में

© NCERT not to be republished

भरे वहाँ गए तो देखकर दंग रह गए। उन्होंने तेज़ आवाज़ में पूछा, ''तुमने यह सजावट किसके रुपये से की है?''

''यहीं के रुपयों से हुज़ूर!'' कहकर उसने रद्दी लिफ़ाफ़ों की कहानी सुनाई और ख़ज़ांची से गवाही दिलाई कि सामान ख़रीदने के बाद बचा हुआ रुपया ख़ज़ाने में जमा किया गया है। बादशाह प्रसन्न हुए और उन्होंने युवक को अपने राज्य का वित्तमंत्री बना दिया। दूसरे मंत्री इससे परेशान हुए क्योंकि न वह बेईमानी करता था, न करने देता था। जो भी मंत्री बादशाह के पास जाता, किसी-न-किसी बहाने उस युवक की शिकायत करता जिससे कि वह बादशाह की नज़रों से गिर जाए।

एक दिन रात को दो बजे बादशाह ने अपने सेनापति को बुलाकर कहा, ''हमारे सब मंत्रियों को उनके घरों से उठाकर इस कमरे में ले आओ। हाँ, वे जिस हालत में हों, उसी हालत में लाए जाएँ। समझ लो, हमारे हुक्म को। अगर कोई पलंग पर सो रहा हो तो उसे पलंग सहित ज्यों-का-त्यों लाया जाए और कोई क़ालीन पर बैठा चौपड़ खेल रहा हो तो उसे क़ालीन समेत लाया जाए।''

कुछ ही समय में सब बादशाह के बड़े कमरे में आ गए। आठ में से सात मंत्री नशे में थे। उनमें से कुछ जुआ खेल रहे थे। वित्तमंत्री जी बनियन पहने एक चौकी पर बैठे दिये की रोशनी में कोई कागज़ देख रहे थे। सब मंत्री बहुत लज्जित हुए। तब बादशाह ने वित्तमंत्री से पूछा, ''जनाब, रात के दो बजे किस कागज़ में उलझे हुए थे?'' उसने उत्तर दिया, ''हुज़ूर, दूर के इलाक़े से इस साल का जो राज-कर आया है, उसमें पिछले साल से एक पैसा कम है तो बार-बार देख रहा था कि जोड़ में भूल है या सचमुच पैसा कम है।''

बादशाह ने अपनी जेब से एक पैसा फेंककर कहा, '' लो, अब हिसाब ठीक कर दो और जाओ आराम करो।'' वित्तमंत्री ने नम्रता के साथ पैसा वापस करते हुए कहा, ''हुज़ूर, पैसा तो मैं भी डाल सकता था पर यदि पैसा कम है और उसके लिए पूछताछ न हुई तो इससे अफ़सरों में ढील और बेईमानी पैदा हो सकती है।''

बादशाह बहुत खुश हुए और उन्होंने उस युवक को अपना प्रधानमंत्री बना लिया।

- कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

©SCERT not to be republished

प्रश्न

1. बादशाह को कैसे आदमी की ज़रूरत थी?
2. युवक ने कार्यालय को शाही कार्यालय के रूप में कैसे बदला?
3. युवक ने अपना स्थान स्वयं कैसे बनाया?

शब्दकोश

अपनाना	=	తనకనుకూలముగా చేసికొనుట, to own	हमें अच्छे गुण **अपनाना** चाहिए।
अरणी	=	యజ్ఞములో అగ్ని రాజేయటానికి ఉపయోగించునది, a wooden drill used for kindling fire	यज्ञ में **अरणी** की लकड़ी का उपयोग किया जाता है।
अक्सर	=	తరచుగా, usually	**अक्सर** मैं अपने मामा के घर जाता हूँ।
अंतर	=	భేదము, difference	बेटा और बेटी में **अंतर** नहीं करना चाहिए।
अभिवादन	=	వందనము, salutation	शिष्य गुरुजी को **अभिवादन** करते हैं।
अनुशासन	=	క్రమశిక్షణ, discplince	छात्रों को **अनुशासन** बनाये रखना चाहिए।
इंसान	=	మనిషి, human being	भला **इंसान** दुनिया में अच्छा नाम कमाता है।
इच्छा	=	కోరిక, desire, wish	मनुष्य की **इच्छाएँ** अनंत हैं।
इलाज	=	చికిత్స, treatment	डॉक्टर **इलाज** करते हैं।
इरादा	=	నిశ్చయము, intention	दृढ़ **इरादा** हर काम आसान बनाता है।
इतिहास	=	చరిత్ర, history	भारत के **इतिहास** में कई राजा हुए हैं।
ईमानदार	=	నమ్మకము, honesty	राजू **ईमानदार** लड़का है।
ईदगाह	=	ప్రార్థనాస్థలము, prayer place	**ईदगाह** में नमाज़ पढ़ी जाती है।
उमंग	=	ఉల్లాసము, aspiration	स्वतंत्रता की लड़ाई में सभी खूब **उमंग** थी।
उजाला	=	నిర్మలమగు, ప్రకాశించు, bright	दिन में **उजाला** होता है।
उल्लास	=	ఆనందము, delight	त्यौहार के दिन सभी में **उल्लास** भर जाता है।
उपेक्षा	=	ఉపేక్షించబడిన, neglected	हमें किसी की **उपेक्षा** नहीं करना चाहिए।
उपहार	=	కానుక, gift	जन्मदिन के दिन **उपहार** मिलते हैं।
उपस्थित	=	హాజరుఅగుట, present	कक्षा में सभी बच्चे **उपस्थित** थे।

© SCERT not to be republished

उन्नति	=	అభివృద్ధి, progress	देश की **उन्नति** नागरिक के हाथों में होता है।
उद्योग	=	పరిశ్రమ, industry	घरेलू **उद्योगों** से रोज़गार की समस्या हल होती है।
उपभोक्ता	=	వినియోగదారుడు, consumer	सामान का उपयोग करने वाला **उपभोक्ता** कहलाता है।
उपभोग	=	వినియోగం, consume	उपभोक्ता वस्तु का **उपभोग** करता है।
ओझल	=	అదృశ్యమగుట, disappear	थोड़ी देर पहले रोहित यहाँ से **ओझल** हो गया।
कगार	=	ఎత్తైన దరి, to suffer	पर्यावरण को प्रदूषण की **कगार** से दूर करना होगा।
कदम	=	అడుగు, foot step	आगे **कदम** बढ़ाने वाले पीछे मुड़कर नहीं देखते।
कहावत	=	సామెత, proverb	**कहावत** से भाषा में चमत्कार उत्पन्न होता है।
कारनामा	=	ఎవరైనా చేసినపని, deed	भारत ने दुनिया में कई **कारनामे** कर दिखाये हैं।
कोख	=	గర్భము, womb	हम माँ की **कोख** से जन्म लेते हैं।
गायब	=	అదృశ్యమగుట, disappear	धूप को देखकर अंधेरा **गायब** हो जाता है।
गैर	=	ఇతరులు, others	हमें **गैरों** को भी अपनाना चाहिए।
गुज़ारा	=	కాలముగడుపుట, livelyhood	काम करने पर ही **गुज़ारा** हो सकता है।
गाँठ	=	ముడి, knot	शेखर ने अपने गुरुजी की बात **गाँठ** बाँध ली।
ग्राहक	=	వినియోగదారుడు, customer	**ग्राहक** सामान खरीद रहे हैं।
चेतावनी	=	హెచ్చరిక, warning	पुलिस ने अपराधियों को **चेतावनी** दी।
चौकोर	=	నాల్గుకోణములు, four angled	हमारे घर का आकार **चौकोर** है।
चेहरा	=	ముఖము, face	नरेश के **चेहरे** पर चोट लगी है।
चिरायु	=	దీర్ఘాయు, long-lived	गुरुजी ने शिष्य को **चिरायु** होने का आशीर्वाद दिया।
चुनाव	=	ఎన్నిక, election	हमेशा अच्छी चीज़ का **चुनाव** करना चाहिए।
ज़रूरत	=	అవసరము, need	साहिती को दस रुपये की **ज़रूरत** है।

©SCERT not to be republished

जागरूक	=	సావధానముగాఉండుట, alert	हमें जागरूक उपभोक्ता बनना चाहिए।
जलपान	=	అల్పాహారము, breakfast	पिताजी **जलपान** करने के बाद काम पर चले गये।
तलाश	=	వెతుకుట, to search	पुलिस को चोर की **तलाश** है।
तृषा	=	దాహం, thirsty	शिक्षा की **तृषा** कभी नहीं मिटती।
तेज	=	చురుకు, sharp	लड़का पढ़ाई में बहुत **तेज** है।
तैराकी	=	ఈత, swimming	राजू की **तैराकी** देखने लायक है।
थकना	=	అలసిపోవుట, to tired	लक्ष्य प्राप्त करने से पहले **थकना** मना है।
दुगुना	=	రెట్టింపు, double	प्रोत्साहन से काम करने में **दुगुना** उत्साह मिलता है।
दायरा	=	తిరుగుట, roaming	हमें अपना **दायरा** ध्यान में रखकर काम करना चाहिए।
धरा	=	భూమి, land	हमारी **धरा** हमेशा हरी-भरी रहनी चाहिए।
धीरज	=	ధైర్యముగలవాడు, courage	हर काम **धीरज** के साथ करना चाहिए।
नेतृत्व	=	నాయకత్వం, leadership	गांधी जी के **नेतृत्व** में स्वतंत्रता आंदोलन चला।
निरंतर	=	ఎల్లప్పుడు, continuous	ज्ञान का प्रवाह **निरंतर** चलता रहता है।
निश्चय	=	సంకల్పము, decission	दृढ़ **निश्चय** करने वाले पीछे मुड़कर नहीं देखते।
नियुक्ति	=	నియామకము, appointment	सरकार अध्यापकों की **नियुक्ति** करती है।
नगरपालिका	=	మున్సిపాలిటి, municipality	आंध्र प्रदेश में कई **नगरपालिकाएँ** हैं।
पहचान	=	గుర్తింపు, recognition	वोटर कार्ड हमारा **पहचान** पत्र है।
पिघलना	=	కరుగుట, melting	हिमालय का **पिघलना** जारी है।
पूर्वज	=	పూర్వీకులు, forefather	हमारे **पूर्वज** महान हैं।
प्रदूषण	=	కాలుష్యము, pollution	**प्रदूषण** से पर्यावरण बिगड़ता जा रहा है।
परिवर्तन	=	మార్పు, change	समाज में **परिवर्तन** की आवश्यकता है।

©SCERT not to be republished

परंतु	=	కాని, but	वह मेहनत कर सकता है, **परंतु** आलसी है।
प्रफुल्लित	=	సంతోషించుట, happy	रवि अपने मित्र को देखकर **प्रफुल्लित** हो उठा।
प्रेरणा	=	ప్రేరణ, inspiration	मनुष्य का आत्मविश्वास ही उसकी सच्ची **प्रेरणा** है।
परवाह	=	లక్ష్యపెట్టుట, concern	हमें हर किसी की **परवाह** करनी चाहिए।
प्रयास	=	ప్రయత్నము, effort	हमें सदा **प्रयास** करना चाहिए।
पक्षपात	=	నిష్పక్షపాతము, partiality	हमें किसी के साथ पक्षपात नहीं करना चाहिए।
परसो	=	ఎల్లుండి, after tomorrow	मेरा मित्र **परसो** विजयवाड़ा जाने वाला है।
प्याला	=	పాత్ర, cup	मेज पर गरम चाय का **प्याला** है।
पीढ़ी	=	తరము, generation	हर **पीढ़ी** को पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए।
प्रशासन	=	కార్యనిర్వహణ, administration	अच्छे **प्रशासन** की जिम्मेदारी सरकार पर होती है।
पैगाम	=	సందేశము, a message	संसार के सभी धर्म शांति का **पैगाम** फैलाते हैं।
प्रामाणिक	=	నమ్మకము, authentic	प्रमाण पत्र **प्रामाणिक** होना चाहिए।
फुदकना	=	ఎగురుట, to hop	चिड़िया का **फुदकना** अच्छा लगता है।
फँसना	=	చిక్కుకొనుట, to be entrapped	हमें बुरी आदतों में नहीं **फँसना** चाहिए।
फ़र्ज़	=	బాధ్యత, obligation	हमें अपना **फ़र्ज़** निभाना चाहिए।
बढ़ोतरी	=	వృద్ధి, progress	जनसंख्या में **बढ़ोतरी** होती जा रही है।
बदलाव	=	మార్పు, change	समय के साथ **बदलाव** मनुष्य में बदलाव आते रहते हैं।
बेहोश	=	స్పృహకోల్పోవుట, unconscious	लड़का कमज़ोरी के कारण **बेहोश** होकर गिर पड़ा।
बाँध	=	ఆనకట్ట, dam	नागार्जुनसागर बड़ा **बाँध** है।
बढ़िया	=	చాలా గొప్పది, excellent	परीक्षा में अच्छे अंक लाना **बढ़िया** बात है।
भेंट	=	కానుక, gift	भक्त भगवान को **भेंट** चढ़ाते हैं।

©SCERT not to be republished

माँग	=	కోరిక, demand	किसान बीज और खाद की **माँग** कर रहे हैं।
मुलाकात	=	కలయిక, meeting	प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति से **मुलाकात** की।
मासूम	=	అమాయకపు, innocent	छोटे बच्चे **मासूम** होते हैं।
मजबूर	=	వివశుడైన, helpless	हमें किसी को **मजबूर** नहीं करना चाहिए।
मतलब	=	ఉద్దేశము, purpose	अपने **मतलब** के लिए दूसरों का बुरा मत कीजिए।
मुग्ध	=	ముగ్ధుడగుట, fascinate	संगीत मंत्र **मुग्ध** करता है।
मृदुल	=	సున్నితము, smooth	**मृदुल** भाव हृदय को छू जाते हैं।
मछुआरा	=	మత్స్యకారుడు, fisherman	**मछुआरा** मछली पकड़ता है।
माप-तोल	=	తునికలు కొలతలు, weight & measurments	वस्तु लेने से पहले **माप-तोल** लेना चाहिए।
राजनैतिक	=	రాజనైతిక, political	भारत-पाक की सीमा **राजनैतिक** विषय है।
यशस्वी	=	కీర్తిగలవాడు, glorious	भारत के महापुरुष **यशस्वी** हैं।
लुप्त	=	అదృశ్యమైపోవుట, disappeared	गिद्ध **लुप्त** होते जा रहे हैं।
लज्जित	=	సిగ్గుపడిన, shamed	हमें **लज्जित** होने वाला काम नहीं करना चाहिए।
लालच	=	దురాశ, greediness	**लालच** बुरी बात है।

© SCERT not to be republished

अध्यापकों के लिए सूचना

यहाँ पर शब्दों के अर्थ व उनके वाक्य प्रयोग दिये गये हैं। अतः बच्चों को अर्थ समझाने के लिए और अधिक वाक्य प्रयोग सिखाइए।